आज

रीवा सम्भाग

८

प्रयागराज, मंगलवार २० अक्तूबर, २०२६

फार्म हाउस बेचनेके नामपर दो सीआरपीएफ जवानों से २० लाख की ठगी

शातिरने दूसरे के फार्म हाउस अपना बताकर एग्रीमेंट किया और हड़प ली रकम

भोपाल, (एजेंसी)। देहात इलाके के मिसरोद थाना क्षेत्र में फॉर्म हाउस दिलाने का झांसा देकर एक शातिर प्रॉपर्टी डीलर ने सीआरपीएफ जवानो को २० लाख की चपत लगा दी। आरोपी ने दूसरे के फार्म हाउस दिखाकर उन्हें अपना बताते हुए बेचने का एग्रीमेंट किया और दो जवानों से २०-२० लाख रुपए ऐंठकर गायब हो गया। मिसरोद पुलिस ने सीआरपीएफ जवान की शिकायत पर जांच के बाद आरोपी के खिलाफ ठगी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है। पुलिस के मुताबिक कौशल नगर में रहने वाले बृजेंद्र तिवारी ने बताया की वह सीआरपीएफ में पदस्थ हैं। साल २०२५ में अपने साथी जवान के जरिये उनकी मुलाकात प्रॉपर्टी डीलर राजेंद्र सिंह परमार नामक युवक से हुई थी। आरोपी ने ग्राम कोढ़ी, सीहोर में पांच-पांच हजार वर्गफीट के प्लॉट दिखाए थे। राजेंद्र ने यह जमीन खुद की होना बताया था। बृजेंद्र के साथी ने एग्रीमेंट करके २० लाख की रकम देकर एक फॉर्म हाउस का सौदा तय कर लिया। फार्म हाउस बृजेंद्र को भी पसंद आने पर उन्होंने भी राजेंद्र से एग्रीमेंट करके अलग-अलग किश्तों में २० लाख रुपए राजेंद्र के खाते में ट्रांसफर कर दिए। एग्रीमेंट में तय समय के अनुसार जब रजिस्ट्री कराये जाने का समय आया तब राजेंद्र सिंह गायब हो गया। उसने रकम भी वापस नहीं की। बाद में उन्हें पता चला कि आरोपी ने दूसरे का फार्महाउस खुद का बताकर बेचकर उनके साथ ठगी की है। पुलिस ने शिकायती आवेदन की जांच के बाद राजेंद्र सिंह परमार के खिलाफ केस दर्ज किया है। बृजेंद्र ने पुलिस को बताया कि उसका साथी थाना खजूरी सड़क में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज करा चुका है। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

आनलाइन धमकी देकर ६० हजार रुपये की धोखाधड़ी

जबलपुर, (एजेंसी)। गौरीघाट थाना क्षेत्र में ऑनलाइन धमकी देकर ६० हजार ३४० रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, रामलला मंदिर के पास ग्वारीघाट निवासी ४२ वर्षीय सतीश सोनी ने १७ अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई कि एक अज्ञात व्यक्ति ने ऑनलाइन डराने और चोट पहुंचाने की धमकी देकर उससे ६० हजार ३४० रुपये हड़प लिए। शिकायत पर पुलिस ने धारा ३१८(४) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है।

ट्रेन से कटनेसे युवक की मौत, मर्ग कायम

जबलपुर, (एजेंसी)। ग्राम बहदन के रेलवे पुल के पास ट्रेन की चपेट में आने से २६ वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, १८ अक्टूबर को सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जहां रेलवे ट्रैक के बीच २६ वर्षीय ओमप्रकाश कुशवाहा निवासी ग्राम ज्वाप जमुनिया का शव मिला।

मृतक के साले २३ वर्षीय अंकित कुशवाहा निवासी ग्राम चांदनखेड़ा, गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर ने पुलिस को बताया कि ओमप्रकाश सुबह करीब १० बजे घर से जबलपुर जाने की बात कहकर निकला था।

बाद में बहदन रेलवे पुल के पास एक व्यक्ति के ट्रेन से कटने की सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंचा, जहां उसने अपने साले का शव देखा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

राजधानी में अपहरण के केस ५० प्रतिशत बढ़े

नौ महीने में महिलाओं के खिलाफ २,८०१ अपराध दर्ज, पिछले साल से ५८५ ज्यादा; दुराचार और छेड़छाड़ के मामले भी बढ़े

भोपाल, (एजेंसी)। राजधानी में महिला सुरक्षा के लिए पुलिस कमिश्नरी, विशेष महिला अपराध इकाइयों और जागरूकता अभियानों का ढांचा मौजूद है, लेकिन अपराध के आंकड़े इन प्रयासों के असर पर सवाल खड़े कर रहे हैं। वर्ष २०२६ के पहले नौ महीनों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के २,८०१ मामले दर्ज हुए। यह संख्या पिछले साल की इसी अवधि के २,२१६ मामलों से २६.४ प्रतिशत अधिक है। सबसे चिंताजनक उछाल अपहरण के मामलों में दर्ज किया गया, जो ३३७ से बढक़र ५०५ हो गए। यानी हर दिन औसतन एक से अधिक अपहरण के मामले दर्ज हुए।

आंकड़ों का दूसरा पहलू यह है कि महिला अपराधों में बढ़ोतरी किसी एक श्रेणी तक सीमित नहीं है। दुष्कर्म और छेड़छाड़ के मामलों में भी इजाफा हुआ है। ऐसे में सवाल केवल अपराध दर्ज करने या जांच पूरी करने का नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों की पहचान करने का भी है, जिनमें महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है।

तीन साल के आंकड़े बढ़ती चुनौती का संकेत

भोपाल में वर्ष २०२४ में महिलाओं के खिलाफ अपराध के २,४८२ मामले दर्ज किए गए थे। वर्ष २०२५ में यह संख्या घटकर २,२१६ रह गई, लेकिन २०२६ के पहले नौ महीनों में ही २,८०१ मामले दर्ज हो चुके हैं। हालांकि, पूरे वर्ष के आंकड़ों से तुलना करने के बजाय समान अवधि के आंकड़ों की तुलना अधिक सटीक होगी, फिर भी उपलब्ध आंकड़े इस साल की स्थिति को गंभीर बताते हैं। इस साल अब तक दर्ज मामले वर्ष २०२४ के पूरे साल के आंकड़े से भी ३१९ अधिक हैं। यह अंतर बताता है कि महिला अपराधों की रोकथाम पुलिस के सामने बड़ी चुनौती बनी हुई है।

अपहरण के मामलों ने बढ़ाई चिंता

महिलाओं के खिलाफ अपराधों में सबसे तेज बढ़ोतरी अपहरण के मामलों में दर्ज की गई है। वर्ष २०२५ में ऐसे ३३७ मामले दर्ज हुए थे, जबकि इस साल नौ महीने में ही इनकी संख्या ५०५ तक पहुंच गई। यह करीब ५० प्रतिशत की वृद्धि है। दुष्कर्म के मामले भी २७६ से बढक़र ३०१ हो गए हैं। इसमें करीब ९.१ प्रतिशत का इजाफा हुआ। इसी तरह छेड़छाड़ के मामले २८९ से बढक़र ३२३ हो गए, जो लगभग ११.८ प्रतिशत की वृद्धि है। वर्ष २०२४ में छेड़छाड़ के २७७ मामले दर्ज किए गए थे। इस साल सामूहिक दुष्कर्म का एक मामला भी दर्ज हुआ है, जबकि २०२५ में ऐसा कोई मामला दर्ज नहीं हुआ था। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों की चुनौती केवल गंभीर अपराधों तक सीमित नहीं है। सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा, महिलाओं की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई और अपराध होने से पहले रोकथाम के उपाय भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

अफसरों का पूरा ढांचा, फिर भी सवाल बरकरार

भोपाल में पुलिस कमिश्नरी व्यवस्था लागू है। कानून-व्यवस्था संभालने के लिए डीसीपी स्तर के आठ अधिकारी तैनात हैं। इसके अलावा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त और पुलिस आयुक्त के स्तर पर वरिष्ठ अधिकारी व्यवस्था की निगरानी करते हैं। महिला अपराधों की रोकथाम और कार्रवाई के लिए विशेष अधिकारी भी तैनात किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि महिलाओं और बालिकाओं से जुड़े मामलों की जांच प्राथमिकता से की जाती है। स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं तथा पुलिसकर्मियों को संवेदनशील बनाने के प्रयास किए जाते हैं। बैड टच जैसे विषयों पर भी बच्चों को जागरूक किया जाता है। लेकिन सवाल यह है कि इन प्रयासों का असर अपराधों की रोकथाम में कितना दिखाई दे रहा है। केवल अभियान चलाना और कार्रवाई का दावा करना पर्याप्त नहीं है। जरूरी है कि अपराध के स्थान, समय, कारण और आरोपितों की पृष्ठभूमि का विश्लेषण कर उन इलाकों और परिस्थितियों पर विशेष ध्यान दिया जाए, जहां महिलाओं के लिए खतरा अधिक है।

रोकथाम की रणनीति पर नए सिरे से विचार जरूरी

महिला सुरक्षा के मामले में पुलिस की सफलता का आकलन केवल दर्ज मामलों की संख्या या चालान पेश करने की गति से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना होगा कि शिकायत मिलने पर पुलिस कितनी तेजी से पहुंचती है, पीडिताओं को कितनी आसानी से मदद मिलती है और अपराध दोबारा न हों, इसके लिए क्या कदम उठाए जाते हैं। अपहरण के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए लापता महिलाओं और बालिकाओं की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई, संवेदनशील इलाकों में निगरानी और परिवारों से संवाद को मजबूत करना जरूरी है।

विजयादशमीपर प्रदेश भरमें शस्त्र पूजन

मुख्यमंत्री इंदौर तो ३१ जिलोंमें मंत्री करेंगे पूजन; ग्वालियरमें तोमर, जबलपुरमें राकेश और भोपालमें सारंग

भोपाल, (एजेंसी)। विजयादशमी पर राज्य सरकार की ओर से प्रदेशभर में शस्त्र-पूजन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर में शस्त्र-पूजन करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ग्वालियर में शस्त्र-पूजन करेंगे। डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा मंदसौर जिले में सरकारी शस्त्र-पूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे। राजधानी भोपाल में मंत्री विश्वास सारंग शस्त्र-पूजन करेंगे। रीवा में डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल शस्त्र-पूजन करेंगे। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय धार में शस्त्र-पूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रहलाद सिंह पटेल नरसिंहपुर में शामिल होंगे। राकेश सिंह जबलपुर में शामिल होंगे। करण सिंह वर्मा सीहोर में शामिल होंगे।

उदय प्रताप सिंह नर्मदापुरम में शामिल होंगे। ३१ जिलों के शस्त्र-पूजन कार्यक्रम में सरकार के मंत्री शामिल होंगे। वहीं २४ जिलों में मंत्रियों के शामिल न होने के कारण कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक यह भूमिका निभाएंगे। दशहरा से एक दिन पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शस्त्र-पूजन देश की सैन्य शक्ति, सुरक्षा और स्वतंत्रता के प्रति सम्मान का प्रतीक है। विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन की परंपरा को शक्ति, साहस, आत्मरक्षा और अन्याय के खिलाफ खड़े होने के संकल्प से जोडक़र देखा जाना चाहिए।

तीन साल से फाइलों में फिजियोथैरेपी कोर्स

२०२३ में सभी सरकारी मेडिकल कालेजोंमें पढ़ाई शुरू करनेकी हुई थी घोषणा

भोपाल, (एजेंसी)। प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की घोषणाएं जमीनी स्तर पर कितनी आगे बढ़ीं, इसका सवाल फिजियोथैरेपी पाठयक्रम को लेकर उठ रहा है। तीन साल पहले सरकारी मेडिकल कॉलेजों में फिजियोथैरेपी की पढ़ाई शुरू करने की घोषणा हुई थी, लेकिन भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ के अनुसार, अब तक प्रदेश के केवल तीन सरकारी मेडिकल कॉलेजों में ही यह पाठयक्रम संचालित हो रहा है। राजधानी के गांधी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध हमीदिया अस्पताल में फिजियोथैरेपिस्टों की उपलब्धता को लेकर भी संघ ने चिंता जताई है।

तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने ५ जनवरी २०२३ को गांधी मेडिकल कॉलेज सहित प्रदेश के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में फिजियोथैरेपी पाठयक्रम शुरू करने की घोषणा की थी। इसके बावजूद योजना के विस्तार को लेकर अब तक अपेक्षित प्रगति नहीं होने का मुद्दा उठाया जा रहा है। दूसरी ओर, छत्तीसगढ़ में छह नए सरकारी फिजियोथैरेपी कॉलेज खोलने के लिए ८३.६२ करोड़ रुपए खर्च करने की तैयारी की गई है। इससे दोनों राज्यों में इस क्षेत्र की चिकित्सा शिक्षा के विस्तार को लेकर तुलना शुरू हो गई है।

घोषणा के तीन साल बाद भी सीमित दायरा

भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ के मुताबिक, मध्य प्रदेश में जबलपुर, इंदौर और शहडोल के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में ही फिजियोथैरेपी पाठयक्रम संचालित है। संघ का कहना है कि यदि सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पाठयक्रम शुरू करने की घोषणा पर अमल किया जाता, तो विद्यार्थियों को सरकारी संस्थानों में प्रशिक्षण के अधिक अवसर मिल सकते थे। संघ ने प्रदेश में कॉलेजों के विस्तार के साथ कमीशन फॉर एलाइड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशन्स के गठन की मांग भी उठाई है। फिलहाल प्रदेश में पैरामेडिकल काउंसिल संचालित है। संगठन का मानना है कि एलाइड एंड हेल्थकेयर क्षेत्र के लिए संस्थागत व्यवस्था विकसित होने से पाठयक्रम, पेशेवर मानकों और विशेषज्ञ सेवाओं को विस्तार देने में मदद मिल सकती है।

हमीदिया में पुनर्वास सेवाओं की जरूरत

करीब २००० बिस्तरों वाले हमीदिया अस्पताल में फिजियोथैरेपी सेवाओं की उपलब्धता को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। संघ का दावा है कि अस्पताल में केवल एक फिजियोथैरेपिस्ट कार्यरत है। हालांकि, अस्पताल में स्वीकृत पदों और वास्तविक कार्यरत कर्मचारियों की आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं होने के कारण इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। फिजियोथैरेपी कई तरह के मरीजों के उपचार और पुनर्वास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। स्ट्रोक और लकवे से प्रभावित मरीजों, हड्डियों के ऑपरेशन के बाद स्वास्थ्य लाभ ले रहे लोगों तथा आईसीयू से बाहर आने वाले मरीजों को शारीरिक क्षमता दोबारा हासिल करने के लिए इसकी जरूरत पड़ सकती है। ऐसे में बड़े सरकारी अस्पताल में विशेषज्ञों की पर्याप्त उपलब्धता मरीजों के पुनर्वास और उपचार की निरंतरता के लिहाज से महत्वपूर्ण है।

विशेषज्ञों के पद बनाने की मांग

भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में विभिन्न विशेषज्ञताओं के पद सृजित करने की मांग की है। इनमें हड्डी-जोड़, तंत्रिका रोग, हृदय एवं फेफड़े, बाल चिकित्सा, खेल चोट, कैंसर और महिला स्वास्थ्य से संबंधित फिजियोथैरेपी विशेषज्ञ शामिल हैं। संघ का कहना है कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों में चरणबद्ध तरीके से पाठयक्रम शुरू किए जाने चाहिए, ताकि चिकित्सा शिक्षा के अवसर बढऩे के साथ अस्पतालों को प्रशिक्षित पेशेवर भी उपलब्ध हो सकें। विशेषज्ञों की नियुक्ति से मरीजों को अलग-अलग बीमारियों और शारीरिक समस्याओं के अनुरूप पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है।

हमलावरों की तत्काल गिरफ्तार करे सरकार - अशोक

वन माफिया पर रासुका लगाने की मांग

भोपाल, (एजेंसी)। पन्ना जिले के अजयगढ़ वन परिक्षेत्र में वन भूमि से अतिक्रमण हटाने के दौरान वनकर्मियों पर हुए हमले के मामले में मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच ने सख्त कार्रवाई की मांग की है। मंच ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई करने और उन्हें तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की है। मंच का आरोप है कि वन भूमि पर अतिक्रमण करने वाले लोगों के हौसले बढ़ रहे हैं और वनकर्मियों पर हमले के बावजूद पुलिस की कार्रवाई में देरी हो रही है।

मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा कि प्रदेश में हजारों एकड़ वन भूमि पर अतिक्रमण की स्थिति बनी हुई है। उनका आरोप है कि कुछ राजनीतिक लोगों के संरक्षण के कारण वन माफिया के खिलाफ कार्रवाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने सीहोर वन मंडल के कोसमी गांव में अतिक्रमण के मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि वन भूमि की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों को पर्याप्त संरक्षण नहीं मिल पा रहा है।

पांडे के मुताबिक, पन्ना वन मंडल के अजयगढ़ रेंज में भी सैकड़ों एकड़ वन भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। जब वनकर्मी अतिक्रमण हटाने पहुंचते हैं, तो उन्हें विरोध और हमले का सामना करना पड़ता है। हालिया घटना में बीट गार्ड बसंत लाल वर्मा और वनपाल भारती कुमारी को गंभीर चोटें आई हैं। अन्य वनकर्मियों के भी घायल होने की बात कही गई है। मंच ने आरोप लगाया कि घटना के बाद भी हमले में शामिल लोगों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। संगठन ने पुलिस प्रशासन से आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही, मुख्यमंत्री से मामले में हस्तक्षेप कर वनकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और वन भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की अपील की है।

कार्रवाई नहीं हुई तो भोपाल में आंदोलन

वन कर्मचारी मंच ने चेतावनी दी है कि यदि अजयगढ़ रेंज में वनकर्मियों पर हुए हमले के मामले में जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन भोपाल में आंदोलन करेगा और ज्ञापन सौंपकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग उठाएगा। मंच का कहना है कि वन भूमि की सुरक्षा के लिए काम करने वाले कर्मचारियों पर लगातार हमलों से उनका मनोबल प्रभावित होता है। संगठन ने जंगलों को अतिक्रमण से बचाने के लिए वनकर्मियों को सुरक्षा देने और ऐसे मामलों में समयबद्ध कार्रवाई करने की मांग की है।

कोलार में १०५ और जंबूरी मैदान में १०१ फीट के पुतले बनेंगे आकर्षण

असत्य पर सत्य की जीत का महापर्व दशहरा: राजधानी में १८ प्रमुख स्थानों पर होगा रावण दहन

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक पर्व विजयादशमी (दशहरा) मंगलवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर शहरभर में भव्य तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राजधानी में इस बार लगभग १८ बड़े स्थानों पर रावण दहन के मुख्य आयोजन किए जा रहे हैं, जिनमें कोलार, जंबूरी मैदान और कलियासोत के ऊंचे-ऊंचे पुतले विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके अलावा शहर में सुरक्षा और यातायात के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

शहर के विभिन्न मैदानों में इस बार रिकॉर्ड ऊंचाई वाले आकर्षक और भव्य पुतलों का निर्माण किया गया है, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटेंगे। कोलार में सबसे ऊंचे १०५ फीट के रावण का दहन किया जाएगा। जंबूरी मैदान (भेल) में १०१ फीट ऊंचे रावण के पुतले दहन की भव्य तैयारी है। कलियासोत एडवेंचर ग्राउंड में ९० फीट ऊंचे रावण का दहन किया जाएगा। इसके अलावा टीटी नगर, बिट्टन मार्केट, बैरागढ़, गांधीनगर, कोहेफिजा, छोला, हाउसिंग बोर्ड, अशोका गार्डन, अयोध्या नगर, एमवीएम कॉलेज, लहारपुरा, पांच नंबर बस स्टॉप, ओल्ड कैंपियन और शाहपुरा समेत करीब १८ बड़े स्थानों पर भव्य आयोजन होंगे।

आधुनिक तकनीक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहेंगी खास

इस बार दशहरा उत्सव को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए आधुनिक तकनीक का भरपूर इस्तेमाल किया जा रहा है।कई प्रमुख पंडालों में ड्रोन से पुष्पवर्षा की जाएगी। आतिशबाजी को पर्यावरण अनुकूल और रोमांचक बनाने के लिए डिजिटल आतिशबाजी और लेजर शो का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही भगवान राम और रावण के बीच जीवंत युद्ध मंचन और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दर्शकों का मन मोह लेंगी।

५० से अधिक स्थानों पर निकलेगा पद संचलन

दशहरे के पावन अवसर पर राजधानी भोपाल में विभिन्न संगठनों और संस्थाओं द्वारा शस्त्र पूजन के साथ लगभग ५० से ६० स्थानों पर भव्य पद संचलन निकाले जाएंगे, जिसे लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। विशाल आयोजनों में उमडऩे वाली भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए हैं। भीड़भाड़ वाले मैदानों और मुख्य मार्गों की ओर जाने वाले रास्तों पर जरूरत के मुताबिक यातायात डायवर्ट किया जाएगा। पुलिस बल को चप्पे-चप्पे पर तैनात किया गया है ताकि पर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न हो सके।

फांसी पर लटकी मिली विवाहिता

श्योपुर (ईएमएस) देहात थाना क्षेत्र के ग्राम ढोटी में फांसी पर लटकी मिली एक विवाहिता की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार राजस्थान के कोटा जिले के खातोली थाना क्षेत्र के रामपुरा धाबाई निवासी रामचरण बैरवा (५७) ने थाने पहुंचकर घटना की सूचना दी। उन्होंने बताया कि १८ अक्टूबर को वह अपनी बेटी अपसन (२५) को उसकी ससुराल ग्राम ढोटी छोड़कर अपने गांव लौट रहे थे। शाम करीब ५ बजे जब वह प्रेमसर पहुंचे, तभी बेटी के ससुर मांगीलाल बैरवा का फोन आया। उन्होंने बताया कि अपसन ने घर में बने टीन के कमरे में लोहे के एंगल से साड़ी का फंदा लगाकर फांसी लगा ली है। उसे फंदे से उतारकर इलाज के लिए श्योपुर ले जाया जा रहा है।

सूचना मिलने पर रामचरण जिला अस्पताल पहुंचे। उनकी बेटी आईसीयू में भर्ती थी। उन्होंने उससे बात करने की कोशिश की, लेकिन वह कुछ बोल नहीं पा रही थी। सोमवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने विवाहिता के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप मर्ग कायम कर लिया है।

लोडिंग वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल

जबलपुर, (ईएमएस)। ग्राम सुहजनी माता मंदिर के मेले से लौट रहे दो बाइक सवारों को लोडिंग वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। गोहलपुर के अहमद नगर निवासी ३२ वर्षीय सोहेल खान ने १७ अक्टूबर की रात पुलिस को बताया कि वह गुब्बारे बेचने का काम करता है। वह अपने परिचित संजय टेकाम, रामगोपाल टेकाम और मोहम्मद जहांगीर के साथ मेले में दुकान लगाने आया था। रात करीब ८:१५ बजे सुहजनी रोड मोड़ के पास रामगोपाल की मोटरसाइकिल को पीछे से आ रहे लोडिंग वाहन क्रमांक एमपी २० एलबी ११०२ के चालक ने तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए टक्कर मार दी। हादसे में रामगोपाल और मोहम्मद जहांगीर मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर गए और दोनों को हाथ-पैर सहित शरीर में चोटें आईं।

दुर्गा अष्टमी की पूजा के दौरान चचेरे भाइयों में खूनी संघर्ष

नूडल्स कारखाना संचालक और पंचायत सचिव के बीच भिड़ंत, दोनों पक्षों ने दर्ज कराई शिकायत

जबलपुर, (एजेंसी)। पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम गुरु पिपरिया में दुर्गा अष्टमी की पूजा के दौरान पुराना पारिवारिक विवाद मारपीट में बदल गया। पूजा-पाठ के बीच दो चचेरे भाइयों के बीच जमकर विवाद हुआ। एक पक्ष में नूडल्स कारखाना संचालक रजत शर्मा और दूसरे पक्ष में पंचायत सचिव नरेंद्र शर्मा हैं। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट और धमकी देने के आरोप लगाए हैं।

पुलिस के अनुसार, २८ वर्षीय रजत शर्मा जबलपुर में नूडल्स का कारखाना संचालित करते हैं। उनका पैतृक घर ग्राम गुरु पिपरिया में है। रजत ने शिकायत में बताया कि दुर्गा अष्टमी की पूजा और आरती में शामिल होने के लिए वह अपनी पत्नी के साथ गांव पहुंचे थे। पूजा के दौरान जब वह घर की दीवार के पास हाथ जोड़कर खड़े थे, तभी उनके बड़े ताऊ के बेटे नरेंद्र शर्मा ने कथित तौर पर पूर्व में आरटीआई लगाने की बात को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर नरेंद्र ने उनके चेहरे पर मुक्का मार दिया, जिससे उनकी नाक में चोट आई। बीच-बचाव के दौरान नरेंद्र द्वारा जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया गया है।

वहीं, पंचायत सचिव ३८ वर्षीय नरेंद्र शर्मा ने अपनी शिकायत में बताया कि वह परिवार के साथ जबलपुर से पैतृक घर में अष्टमी की पूजा करने आए थे। इसी दौरान उनके चाचा का बेटा रजत शर्मा अपनी पत्नी के साथ वहां पहुंचा। नरेंद्र के अनुसार, रजत ने दरवाजे पर खड़ी उनकी बड़ी भाभी दिव्यानी शर्मा के बाल पकड़कर उन्हें हटाया और घर के भीतर प्रवेश किया। विरोध करने पर रजत ने गाली-गलौज करते हुए उनके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की, जिससे उनके गाल, सीने और हाथ में चोटें आईं।

दो युवकों से मारपीट आरोपियों की तलाश

जबलपुर, (एजेंसी)। ग्राम सिलुआ में दो युवकों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। २५ वर्षीय लवकुश चौधरी ने पुलिस को बताया कि १८ अक्टूबर की सुबह करीब ११ बजे वह अपने भाई विपिन के साथ अष्टमी की पूजा करने जा रहा था। करन पंडा के घर के सामने गांव के आर्यन चौधरी ने उन्हें देखकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आर्यन ने हाथ-मुक्कों से मारपीट की। इसी दौरान उसका साथी मिंचू चौधरी भी मौके पर पहुंचा और मारपीट करने लगा।

हमले में लवकुश के मुंह, नाक और सिर तथा उसके भाई विपिन की आंख के नीचे चोटें आईं। दोनों आरोपियों पर जान से मारने की धमकी देकर भागने का आरोप है। पुलिस ने धारा २९६(बी), ११५(२), ३५१(२) और ३(५) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

नौकरी मिलने पर ही एजेंसी को भुगतान

विदेश प्लेसमेंट से जुड़ा मप्र का नया प्रयोग, ओबीसी विद्यार्थियों को जापान-जर्मनी में रोजगार दिलाने के लिए ४ करोड़ का सोशल इम्पैक्ट बान्ड, २२ को एनएसई पर होगी लिस्टिंग

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का तरीका बदलने की तैयारी है। अब कौशल विकास कार्यक्रम में केवल प्रशिक्षण देने को सफलता नहीं माना जाएगा, बल्कि उसका आकलन रोजगार मिलने के आधार पर किया जाएगा। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के विद्यार्थियों को जापान और जर्मनी में नौकरी दिलाने के लिए शुरू की जा रही चार करोड़ रुपए की परियोजना में सरकार ने भुगतान को सीधे प्लेसमेंट के परिणाम से जोडऩे का प्रावधान किया है। इसके तहत संबंधित एजेंसी को भुगतान उम्मीदवारों के विदेश में रोजगार की लिखित पुष्टि मिलने के बाद ही किया जाएगा। इस पहल के लिए मध्य प्रदेश का सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड २२ अक्टूबर को मुंबई स्थित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होने जा रहा है। सरकारी भागीदारी वाले इस सामाजिक कल्याण कार्यक्रम में राशि जुटाने के साथ उसके उपयोग और परिणाम को भी महत्वपूर्ण बनाया गया है। वित्त विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सामाजिक कल्याण कार्यक्रम के लिए इस तरह बॉन्ड के माध्यम से वित्त जुटाने की पहल देश में अपनी तरह का पहला प्रयोग बताई जा रही है। सरकारी कौशल विकास योजनाओं में प्रशिक्षण पूरा करने वाले उम्मीदवारों की संख्या एक प्रमुख उपलब्धि मानी जाती है, लेकिन प्रशिक्षण के बाद रोजगार मिलने की स्थिति भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है।

एमडी ड्रग्स तस्करी मामलेमें तीसरा आरोपित गिरफ्तार

खुद को वकील बताने वाले आरोपी सप्लायर के घर की हुई तलाश

भोपाल, (एजेंसी)। राजधानी में सोमवार को जिला अदालत के पीछे वाले गेट के नजदीक से एमडी (मेफेड्रोन) तस्करी के मामले में क्राइम ब्रांच ने तीसरे आरोपी रितिक बाथम को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, रिमांड पर चल रहे मुख्य आरोपी मुकुल ढोलपुरे ने पूछताछ में नाइजीरियन व्यक्ति से ड्रग लाकर भोपाल में सप्लाई करने की बात स्वीकार की है। वह दिल्ली के तस्कर से सीधे ड्रग लाकर भोपाल में सप्लाई करने के लिए अन्य साथी आरोपियो दिव्यांशु और रितिक को कमिशन देता था। पुलिस उसके नेटवर्क से जुड़े एक अन्य व्यक्ति की तलाश दिल्ली में कर रही है। आरोपी ने पूछताछ में ड्रग घर में छिपाने की बात का खुलासा करने पर बीती दोपहर पुलिस टीम ने ने मुकुल के घर में भी सर्चिंग की। हालांकि करीब एक घंटे से अधिक चली कार्यवाही में घर से क्या जब्ती हुई फिलहाल पुलिस ने इसका खुलासा नहीं किया है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जिला न्यायालय के पिछले गेट के पास एक युवक मादक पदार्थ की डिलीवरी देने के लिए खड़ा है। टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से करीब १ लाख कीमत की ४ ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की थी। आरोपी की पहचान जहांगीराबाद निवासी मुकुल ढोलपुरे के रूप में हुई। पूछताछ में मुकुल ने खुद को भोपाल जिला न्यायालय में प्रैक्टिस करने वाला वकील बताया। पुलिस उसके इस दावे की पुष्टि कर रही है। पूछताछ में मुकुल ने बताया कि वह दिल्ली के तस्कर से सीधे ड्रग की डिलीवरी लेता था। भोपाल में ड्रग पहुंचाने के बदले वह दिव्यांशु और रितिक को कमिशन देता था। मुकुल की निशानदेही पर पुलिस ने पहले दिव्यांशु और फिर सोमवार को रितिक बाथम को गिरफ्तार कर लिया है।

रंजिश के चलते बेखौफ बदमाशों ने जमकर मचाया उत्पात

दो दर्जन से अधिक युवकों ने घर के बाहर खड़ी गाड़ियों में की तोड़फोड़, पहले चाय की दुकान पर दोनो पक्षो की आपसी मारपीट में एक हुआ था गंभीर घायल

भोपाल, (एजेंसी)। शहर के हनुमानगंज थाना इलाके में दो पक्षों के बीच विवाद के बाद मारपीट घटना का बदला लेने के लिये एक पक्ष के करीब दो दर्जन से अधिक लोगो ने न्यू कबाड़खाना इलाके में जमकर उत्पात मचाया गया। आरोपी युवकों ने घर के बाहर खड़ी चार गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी। वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। बताया गया है की घटना से पहले जीपीओ चौराहे पर चाय की दुकान में दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई थी, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब एक बजे जीपीओ चौराहे स्थित चाय की दुकान पर उमर, समीर और आलिन के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इस दौरान लोहे की रॉड और डंडों से किये गये हमले में समीर उर्फ गब्बर (३३) गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच मारपीट और अड़ीबाजी की भी जानकारी सामने आई है। मामले में शाहजहानाबाद पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया है। इसके बाद रविवार अलसुबह करीब चार बजे १५-२० युवक न्यू कबाड़खाना पहुंचे और यहां उमर के घर के बाहर खड़ी चार गाड़ियों में जमकर तोड़फोड़ कर दी। इस घटना में हनुमानगंज पुलिस ने शहनाज पति शहजाद की शिकायत पर मामला कायम किया है। हालांकि दोनों वारदातो में फिलहाल किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

जयवर्धन सिंहकी अगुआईमें गुनामें बनी जन संसद, जन मुद्दोंपर आंदोलनका ऐलान

वोट के अधिकार, किसान-आदिवासी हित, निजीकरण स्मार्ट मीटर और पर्यावरण के मुद्दों पर आंदोलन की तैयारी

गुना, (एजेंसी)। जन मुद्दों पर बिखरी आवाजों को एक मंच पर लाने और जन आंदोलनों को संगठित ताकत देने के उद्देश्य से गुना में 'जन संसद' के गठन की पहल की गई है। लोकतंत्र, संविधान और संघर्ष पर केंद्रित परिचर्चा में पांच दर्जन जन संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में किसान, आदिवासी, युवा, छात्र, महिला और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर संयुक्त संघर्ष की रूपरेखा तैयार की गई।

बैठक में यह सवाल प्रमुखता से उठा कि जब जनता के अधिकारों, प्राकृतिक संसाधनों और सार्वजनिक संपत्तियों से जुड़े फैसले लिए जा रहे हैं, तो आम लोगों की आवाज को मजबूती से उठाने वाला साझा मंच क्यों न हो? इसी सोच के साथ जन संसद को जन आंदोलनों का ऐसा मंच बनाने पर जोर दिया गया, जो स्थानीय समस्याओं से लेकर व्यापक नीतिगत सवालों तक लगातार संघर्ष करे।

सत्ता की नीतियों पर निशाना, जन अधिकारों की लड़ाई का आह्वान

मुख्य वक्ता विधायक जयवर्धन सिंह ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए वोट चोरी, किसान विरोधी नीतियों, आदिवासियों के हितों की अनदेखी और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मौजूदा शासन में इन मुद्दों पर सवाल उठाना और जनता की आवाज बुलंद करना जरूरी है। विधायक ऋषि अग्रवाल ने विधानसभा की कार्यवाही का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि जनहित के सवालों पर पर्याप्त चर्चा नहीं हो पाती और कई बार सदन स्थगित हो जाता है। उन्होंने कहा कि विधानसभा के भीतर भी जनता की आवाज उठाने का संघर्ष जारी है।

एडवोकेट पुष्पराग ने कहा कि शहर को ऐसे जन मंच की जरूरत है, जो नदियों, पर्यावरण और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निरंतर काम करे तथा जनता की समस्याओं को जिम्मेदार संस्थाओं तक पहुंचाए।

एसआईआर निजीकरण और स्मार्ट मीटर भी बने संघर्ष के मुद्दे

डॉ. विष्णु शर्मा ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ संयुक्त रूप से संघर्ष करने की जरूरत बताई। मनीष श्रीवास्तव ने एईं प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मतदाताओं के नाम काटे जाने से उनके मताधिकार पर असर पड़ सकता है। उन्होंने मताधिकार की रक्षा के लिए आवाज उठाने का आह्वान किया।

मनोहर मराठा ने सार्वजनिक संपत्तियों के निजीकरण का विरोध करते हुए कहा कि देश के सार्वजनिक संसाधनों को बचाने के लिए संगठित प्रयास जरूरी हैं। वहीं राकेश मिश्रा और नरेंद्र भदौरिया ने स्मार्ट मीटर सहित विभिन्न नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जनता पर बढ़ते आर्थिक बोझ और सार्वजनिक उपक्रमों से जुड़े मुद्दों को लेकर संघर्ष जारी रहेगा। शशि अहिरवार ने भी अपने विचार रखे।

छात्र से किसान और पर्यावरण संगठनों तक एक मंच पर जुटे प्रतिनिधि

परिचर्चा का संचालन लोकेश शर्मा ने किया, जबकि रजनीश शर्मा ने आभार व्यक्त किया। बैठक में हरि विजयवर्गीय, आलोक नायक, पंकज कनेरिया, विकास बंसल, सीमा यादव, सीमा राय, विजय यादव, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, यशवंत शर्मा, कल्याण लोधी, जहूर खान, रवि शर्मा, पार्षद बंटी सेन, पार्षद नरेंद्र, जैनेन्द्र जैन सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में शामिल विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने जनहित के मुद्दों पर साझा मंच से आवाज उठाने और जन आंदोलनों को गति देने की जरूरत पर जोर दिया।

नर्मदा में स्नान-पूजन के लिए निकली महिला का २ दिन बाद मिला शव

जबलपुर, (एजेंसी)। तिलवारा थाना क्षेत्र के ग्राम सिवनी निवासी ४५ वर्षीय लक्ष्मी उर्फ गुड्डन यादव का शव सोमवार को लम्हेटा स्थित सिद्ध घाट पर नर्मदा नदी में उतराता मिला। वह १७ अक्टूबर की सुबह नर्मदा तट पर स्नान और पूजा-अर्चना के लिए घर से निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की थी। करीब ४० घंटे बाद उनका शव मिलने से गांव में शोक का माहौल है। पुलिस के मुताबिक, लक्ष्मी यादव १७ अक्टूबर की सुबह करीब ११ बजे रोजाना की तरह नर्मदा तट पर स्नान और पूजन के लिए घर से निकली थीं। दोपहर एक बजे तक घर नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने घाट पर जाकर तलाश की तो वहां लक्ष्मी के कपड़े और पूजा की सामग्री रखी मिली। आसपास खोजबीन करने के बाद भी उनका कोई पता नहीं चला। इसके बाद परिजनों ने तिलवारा थाने पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। महिला के लापता होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस और स्थानीय गोताखोरों ने नर्मदा नदी में तलाश शुरू की।